विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -१५ -०५ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ २ गौरा कहानी के बारे में अध्ययन करेंगे ।

महादेवी वर्मा द्वारा रचित 'गौरा' शीर्षक पाठ का सारांश लिखे|

'गौरा' शीर्षक रेखाचित्र की रचयिता महादेवी वर्मा है| महादेवी वर्मा कवयित्री है| 'गौरा' एक मार्मिक रचना रेखाचित्र है | इसमें गाय के सौंदर्य और गुण का सजीव वर्णन किया गया है|

'गौरा' एक गाय का नाम है जो महादेवी वर्मा की बहन के घर से मिली थी| गौरा के शारीरक बनावट का वर्णन कवयित्री ने जिस ढंग से किया है लगता है की मनो इटैलियन मार्बल से तराशा गया हो| कुछ ही दिनों में गौरा सब से हिलमिल गई |

अन्य पशु-पक्षी अपनी लघुता और उसकी विशालता का अंतर भूल गए |कुत्ते-बिल्ली उसके पेट के निचे और पैरों के बिच में खेलने लगे | महादेवी वर्मा कहती है की गौरा सबको आवाज़ से नहीं, पैर की आहत से सबको पहचानने लगी |

एक साल बाद गौरा माँ बन जाती है |और एक बछड़े को जन्म देती है जिसका नाम रखा जाता है लालमणि लेकिन लोग प्यार से लालू कहते|
अंत में एक दुखद घटना घटती है |

दूध दुहने के लिए पूर्व में दूध देने वाले ग्वाले को नियुक्ति किया गया | दो दिन महीने बाद गौरा खाना पीना काम कर दिया |

पशु चिकित्सक आए | पता चला की गाय को सुई खिला दी गई है | ग्वाले ने गुड़ में सुई लपेटकर गौर को खिला दिया था | कुछ दिन बाद गौर की मृत्यु हो जाती है|